जहाँ बाबा का दरबार बच्चो को मिलता प्यार भजन लिरिक्स

जहाँ बाबा का दरबार,
बच्चो को मिलता प्यार,
माँ बाप का हो सत्कार,
वो घर कितना सुंदर हो,
वो घर कितना सुंदर हो।bd।

तर्ज – ना कजरे की धार।

जहाँ प्रेम के दरवाजे,
अभिमान की फर्श बिछाई,
श्रद्धा की खोली खिड़की,
आशा की किरण जगाई,
तेरी कृपा की जो छत हो,
तेरी कृपा की जो छत हो,
किस बात की दरकार।
जहां बाबा का दरबार,
बच्चो को मिलता प्यार,
माँ बाप का हो सत्कार,
वो घर कितना सुंदर हो,
वो घर कितना सुंदर हो।bd।

मैंने मेहनत और पसीने से,
एक एक ईंट लगाई,
एक सुंदर से कमरे में,
बाबा की जगह बनाई,
भक्ति का रंग रोगन,
भक्ति का रंग रोगन,
अब पूरा हुआ घरबार।
जहां बाबा का दरबार,
बच्चो को मिलता प्यार,
माँ बाप का हो सत्कार,
वो घर कितना सुंदर हो,
वो घर कितना सुंदर हो।bd।

मेरे घर के इस उपवन में,
भक्ति का पुष्प खिला दे,
हरी चरणों की आशा में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट की आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तेरे प्रेम का मोती पिरोदे,
भक्तो संग “दूनीवाला”,
भक्तो संग “दूनीवाला”,
बाबा का करे गुणगान।
जहां बाबा का दरबार,
बच्चो को मिलता प्यार,
माँ बाप का हो सत्कार,
वो घर कितना सुंदर हो,
वो घर कितना सुंदर हो।**bd।**

जहाँ बाबा का दरबार,
बच्चो को मिलता प्यार,
माँ बाप का हो सत्कार,
वो घर कितना सुंदर हो,
वो घर कितना सुंदर हो।**bd।**

– गायक एवं प्रेषक –
गौत्तम शर्मा।
7737828030

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com